E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

STUDY OF LEPROSY IN YOUR LOCAL AREA

P4

FIELD PROJECT REPORT SUBMITTED TO

DEPT. OF ZOOLOGY

GOVERNMENT TULSI DIGREE COLLEGE

ANUPPUR (M.P)

FOR

PARTIAL FULFILLMENT OF AWARD OF

DEGREE OF

BACHELOR OF SCIENCE (1ST YEAR)

SESSION :- 2022-2023

SUBMITTED TO

PROF – SANGEETA BASRANI

SUBMITTED BY

NANDINI SINGH MARKO

CLASS:- B.Sc 1st Year

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Date

1. परियोजना का विषय / शीर्षक :-

Introduction :- कुष्ठरोग मुख्यत: ऊपरी श्वसन तंत्र के श्लेष्म और बाह्य नसो की एक ग्रैन्युलोमा - संबंधी (Granulomatous) बीमारी है। त्वचा पर घाव इसके प्राथमिक बाह्य संकेत है। यदि इसे अनुपचारित छोड़ दिया जाए तो कुष्ठरोग बढ़ सकता है। जिससे त्वचा, नसो, हाथ - पैरो और आँखो मे स्थायी क्षति हो सकती है।

कुष्ठरोग रोग एक दीर्घकालिक बीमारी होती है। जो कि जीवाणु माइकोबैक्टीरियम लेप्री के कारण से होता है। यह मुख्य रूप से हाथ, पाव, त्वचा, नाक की परत और ऊपरी श्वसन पथ की नसो को प्रभावित करता है कुष्ठरोग को हैन्सन रोग के नाम से भी जाना जाता है। कुष्ठरोग त्वचा के अल्सर, तंत्रिका क्षति और मांसपेसियो मे कमजोरी पैदा करता है। इसका यदि समय से या उचित इलाज नही किया जाए तो इसकी वजह से पीड़ित को गंभीर विकृति और विकलांगता का सामना करना पड़ सकता है।

कोढ़ की बीमारी अति पिछले और विकासशील देशो मे बहुत आम है। लेकिन यह बीमारी सबसे ज्यादा उष्णकटिबंधीय या उपोष्णकटिबंधीय जलवायु मे रहने वाले लोगो मे सबसे आम है। माइकोबैक्टीरियम लेप्रे नामक बैक्टीरिया बहुत धीरे - धीरे बढ़ते है। और आसानी से नही फैलते है।

कुष्ठरोग को हैन्सन रोग से भी जाना जाता है। इसका यह नाम नार्वेजियन वैज्ञानिक गेरहार्ड हेनरिक अर्माउर हेन्सन की वजह से पड़ा। गेरहार्ड हेनरिक अर्माउर हेन्सन ने 1873 मे बीमारी के कारण के रूप मे अब माइकोबैक्टीरियम लेप्री के रूप मे जात

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

धीमी गति से बढ़ने वाले जीवाणु की खोज की थी। इसे पकड़ना मुश्किल है, और संक्रमण के बाद रोग के लक्षण विकसित होने में कई साल लग सकते है।

लेप्रोसी के प्रकार :- कुष्ठरोग को लेप्रोसी भी कहा जाता है। हेल्थलाइन की रिपोर्ट की मुताबिक, लेप्रोसी के छह मुख्य प्रकार होते है। इन्हे इंडिटर्मिनेट लेप्रोसी, ट्यूबर-क्लाइड लेप्रोसी, बार्डरलाइन ट्यूबरक्लॉइड लेप्रोसी, बॉर्डरलाइन लेप्रोसी और लेप्रोमेसुन लेप्रोसी कहा जाता है। लेप्रोसी को समझने के बाद ही डॉक्टर आपको सही इलाज के बारे मे बता सकते है।

कैसे फैलता है ये रोग :- हेल्थलाइन के मुताबिक, लेप्रोसी की बीमारी माइकोबैक्टीरियम लैप्री नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के स्त्राव के संपर्क मे आने से फैल सकती है, रोगी के खांसने या छीकने से इसके बैक्टीरिया हवा मे फैलकर स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित कर सकते है। यह बीमारी बहुत ज्यादा संक्रामक नही है, लेकिन लंबे समय तक रोगी के लगातार संपर्क मे रहने से लेप्रोसी की बीमारी हो सकती है।

लेप्रोसी के खतरे :- लेप्रोसी के कारण मरीज को डिसफिगरमेंट की समस्या हो सकती है। इसमे उसके हाथ-पैर की अंगालियाँ टेढ़ी-मेढ़ी हो सकती है। पलको या भौंहो जैसी जगहो से बाल उड़ सकते है। मांसपेसियो मे कमजोरी आ सकती है। हाथ-पैरो की नसे डैमेज हो सकते है। हाथ-पैर काम करना बंद कर सकते है। नॉक से खून या आँखो मे सूजन की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा, ब्लाइंडनेस, स्पेक्टाइल डिसफंक्शन, इनफर्टिलिटी और किडनी फेलियर का खतरा भी बढ़ सकता है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

लेप्रोसी का क्या है इलाज :- लेप्रोसी के मरीज के लगातार और लंबे समय तक संपर्क मे न आकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। हॉलाकि WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) साल 1955 मे सभी प्रकार की लेप्रोसी के इलाज के लिए मल्टीड्रग थैरपी विकसित कर चुकी है, पूरे विश्व मे इसके मुफ्त इलाज की सुविधा है।

इसके आलावा कई एंटीबायोटिक से इसके बैक्टीरिया को मारकर लेप्रोसी का इलाज किया जाता है। इनमे डैपसोन, रिफैम्पिन, क्लोफेजाईमिन, मिनोसाइक्लिन और एफ्लोक्सिन जैसी दवाएँ शामिल है। डॉक्टर एक समय मे आपको एक प्रकार की ही एंटीबायोटिक लेने की सलाह देंगे, डॉक्टर आपको एस्पाइरिन और पैलिडोमाइन जैसी एंटी - इंफ्लेमेटरी मेडिकेशन की सलाह भी दे सकते है।

7. अध्याय प्रथम

- परियोजना कार्य का परिचय एवं क्षेत्र :-

परियोजना कार्य का विषय ➢ कुष्ठरोग (Leprosy)

परियोजना कार्य का क्षेत्र ➢ Government Distric Hospital Anuppur (m.p)

इस परियोजना कार्य के माध्यम से हम आपको बतायेंगे कि "कुष्ठरोग क्या होता है तथा इसकी पहचान कैसे कर सकते है? कुष्ठरोग एक दीर्घकालिक बीमारी होती है जो कि जीवाणु माइकोबैक्टीरियम लेप्री के कारण से होता है। यह मुख्य रूप से हाथ, पांव, त्वचा नाक की परत और ऊपरी वक्सन पथ की नसो को प्रभावित करता है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Pages
Date

आकड़ो का विश्लेषण :-

S/N	Name Of block	Population Of block	New Cases April 2022 to January 2023			New child Cases April 2022 to January 2023			Defective Grade		R.F.To Cases April 2022 to January 2023			Otherwise Deleted cases April 2022 to January 2023			U.O.T. Cases End Of January 2023		
			PB.	MB.	To	PB.	MB.	To.	I	II	PB.	MB.	To.	PB.	MB.	To.	PB.	MB.	To.
01	Anuppur	222747	09	28	37	02	01	03	11	03	03	04	07	-	05	05	11	27	38
02	Jaitahri	129983	03	30	33	-	-	-	11	05	01	06	07	-	06	06	02	31	33
03	Kotma	266542	16	35	51	-	01	01	08	03	09	20	29	02	04	06	10	38	48
04	Pushprajgarh	286465	08	12	20	-	-	-	02	02	05	05	10	01	-	01	07	14	21
	Total	905787	36	105	141	02	02	04	32	13	18	35	53	03	15	18	30	110	140

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Pages
Date

• विश्लेषण की प्रविधि / अनुप्रयुक्त तकनीक जानकारी :-

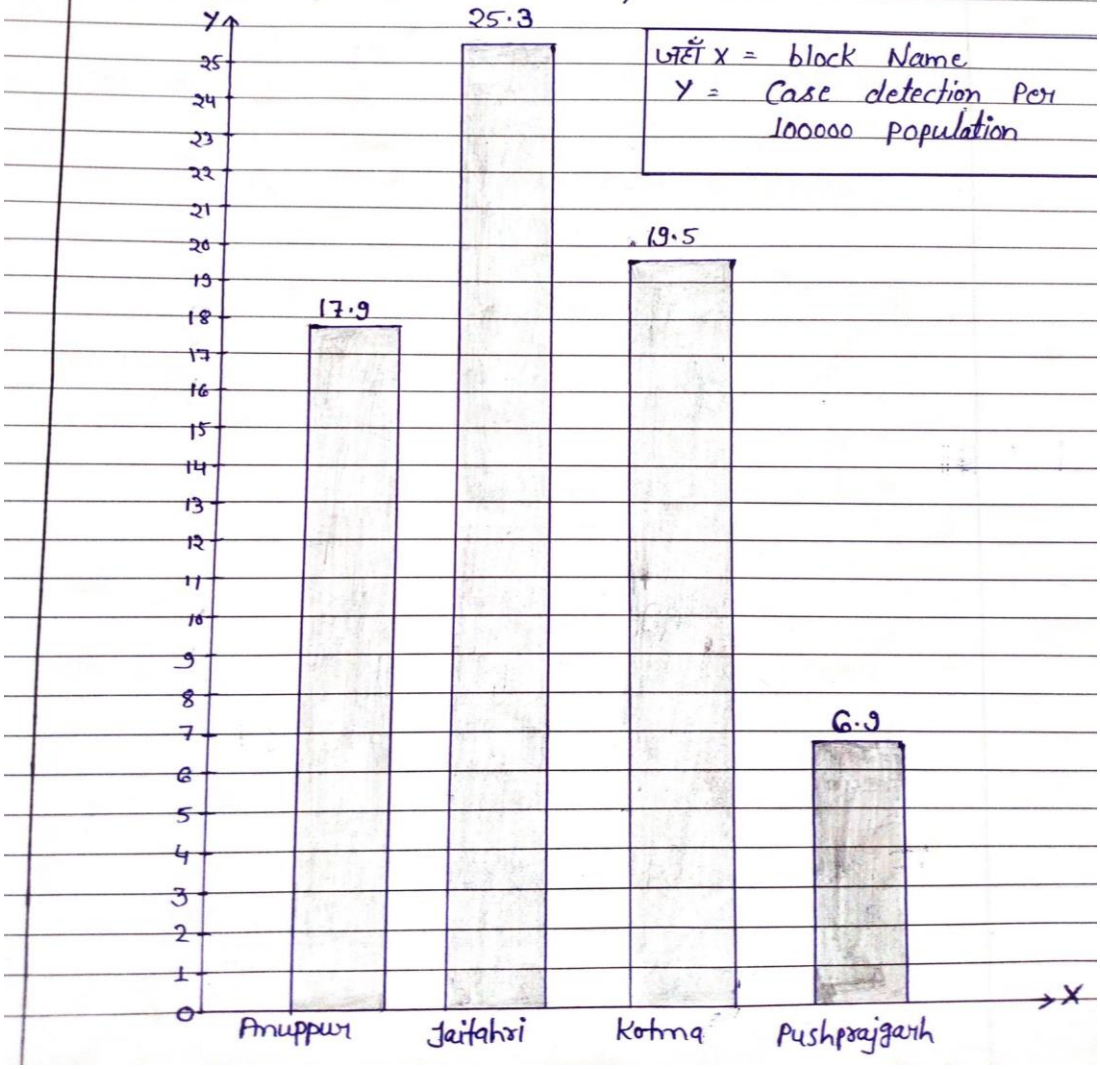

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Pages
Date

- आकड़ो का विश्लेषण :-

आकड़ो के विश्लेषण प्राप्त करने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया गया :-

$$ANCDR = \frac{\text{नये केश} \times \text{अनुमानित दर } (100000)}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

$$PR = \frac{\text{कुल केश} \times \text{अनुमानित दर } (10000)}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

जहाँ PR ⇒ Prevelance Rate (अनुमानित दर)

तथा ANCDR ⇒ Anual New Case Detection Rate.

Anuppur block

यदि PR = 10000

सूत्र ⇒ $PR = \frac{\text{कुल केश} \times \text{अनुमानित दर } (10000)}{\text{कुल जनसंख्या}}$

$$PR = \frac{40 \times 10000}{222747}$$

$$\boxed{PR = 1.79}$$

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Pages
Date

यदि अनुमानित दर = 100000

सूत्र ⇒ ANCDR = $\frac{\text{नये केश} \times \text{अनुमानित दर}}{\text{कुल जनसंख्या}}$

ANCDR = $\frac{40 \times 100000}{222747}$

ANCDR = 17.95

Jaitahri block

यदि PR = 10000

सूत्र ⇒ PR = $\frac{\text{कुल केश} \times \text{अनुमानित दर}}{\text{कुल जनसंख्या}}$

PR = $\frac{33 \times 10000}{129983}$

PR = 2.53

यदि अनुमानित दर = 100000

सूत्र ANCDR = $\frac{\text{नये केश} \times 100000}{\text{कुल जनसंख्या}}$

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Project Report B.Sc 1st Year 2022-2023

(विद्यार्थी/ समूह का मौलिकता प्रमाणपत्र)

घोषणा पत्र

मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता/करती/करते हैं / हूँ कि यह परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुडाव रिपोर्ट मेरे / हमारे द्वारा किये गये मूल (Original) कार्य पर आधारित है, जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति (Duly acknowledged) उपरांत किया गया है । मैं / हम यह भी घोषणा करते हैं कि प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट किसी अन्य डिग्री / पाठ्यक्रम हेतु पूर्व / वर्तमान में प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर (दिनांक सहित)
नंदिनी सिंह मार्को	B.Sc 1st		

(पर्यवेक्षक / निर्देशक का अनुमोदन पत्र)

पर्यवेक्षक / निर्देशक

मैं ..... अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा प्रमाणित करता / करती हूँ कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा मेरे निर्देशन में, किये गये परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुडाव कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है । यह (महाविद्यालय का नाम .....) में मेरे अनुमोदन के पश्चात् प्रस्तुत की गयी है ।

हस्ताक्षर

निर्देशक

दिनाँक .....

स्थान .....

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

(सैंपल रिपोर्ट)

सैंपल परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुडाव रिपोर्ट /

(कार्य का शीर्षक)

स्नातकः विज्ञान / कला / वाणिज्य / गृहविज्ञान

की डिग्री के लिये आंशिक प्रतिपूर्ति

सत्रः 2021 – 22

विद्यार्थी / विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक
1. नंदिनी सिंह मार्को	B.Sc 1st year	
2.		
3.		

संस्था का नाम

(जहाँ कार्य पूर्ण किया गया)

जिला कुष्ठ कार्यालय, अनूपपुर

पर्यवेक्षक का नाम

Sangita Barani

महाविद्यालय का लोगो

महाविद्यालय का नाम

संबंधित विश्वविद्यालय का नाम

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

(संस्था / व्यक्ति द्वारा कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र)

(कार्य समाप्ति उपरांत बाह्य संस्था द्वारा संस्था के लेटर हैड पर प्रदत्त प्रमाणपत्र यहाँ संलग्न करें)

संस्था का नाम एवं लोगो

कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि (नाम) नंदिनी सिंह मार्को कक्षा B.Sc. 1st year (महाविद्यालय का नाम) Govt. Tulsi College द्वारा परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव ने दिनांक ..... से दिनांक ..... तक इस संस्था से सम्बद्ध / में उपस्थित रहकर ..... के क्षेत्र में कार्य किया / प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

(नाम) ..... अति परिश्रमी, समर्पित और परिणामोन्मुखी हैं, इन्होने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान अच्छा/ उत्कृष्ट कार्य किया । हम इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हैं ।

शुभकामनाओं सहित,

स्थान.....

दिनांक .....

.....

संस्था की सील

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎ 9893076404

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ...डॉ० एल० यादव एम० एस० डी० जिला कुष्ठ कार्यालय अनूपपुर

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ...शासकीय...

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ...जिला कुष्ठ कार्यालय अनूपपुर

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या ...02...

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है ...01...

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना ...नहीं...

7. अन्य विशेष जानकारी ....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय .... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

3/5/2023

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

डॉ शिवेन्द्र कुमार द्विवेदी

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

प्रारूप – G1

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं /...../अका./...../2022 भोपाल, दिनांक .....

प्रति,

जिला कुष्ठ अधिकारी
जिला अनूपपुर

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्नक - प्रारूप- G2

प्राचार्य के हस्ताक्षर .....

सील .....

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)